महिलाएं उद्यमिता विकास की धुरी

तकनीकी समाधान की जरूरत पर वक्ताओं ने दिया बल

अमर उजाला ब्यूरो

आईआईटी बीएचयू में इंस्टीट्यूट-इंडस्ट्री-सोसाइटी कॉनक्लेव संपन्न

वाराणसी। इंस्टीट्यूट-इंडस्ट्री-सोसाइटी कॉनक्लेव के अंतिम दिन आईआईटी बीएचयू के एनी बेसेंट सभागार में सामाजिक संगठनों के किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों व ऐसे क्षेत्रों में आ रही तकनीकी समस्याओं पर संवाद हुआ। तीसरे दिन प्रो. अन्नपूर्णा शुक्ला ने समाज के विविध आयामों में सामाजिक कार्यकर्ताओं की तरफ से किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की प्रासंगिकता के साथ ही सामाजिक व शैक्षिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की और महिला शिक्षा व उद्यमिता को विकास की धुरी बताया। कार्यक्रम में सुभाष मिश्रा व डॉ. सुभाष चंद्र यादव ने भी अपने विचार रखे।

द्वितीय सत्र में विविध सामाजिक संगठनों ने अपने-अपने क्षेत्र में काम के अनुभव के आधार पर आ रही तकनीकी समस्याओं व चुनौतियों के बारे में बताया व आईआईटी, बीएचयू से मदद की अपील की। सुरेश शुक्ला, जागृति राही ने भी सुझाव दिए। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि संवाद में आए सुझावों का विश्लेषण संस्थान द्वारा किया जाएगा तथा प्राथमिकताओं के आधार पर उनके समाधान की कोशिश होगी। अंत में उन्होंने तकनीकी समाधान के लिए प्रस्तावित सिंगल विंडो सिस्टम को लागू करने की योजना को दोहराया। आयोजकों को इस बात के लिए सचेत रहने की अपील की कि इस प्रकार के समागम में आए हुए महत्वपूर्ण सुझावों व संभावित समाधान को लेकर निरंतर फॉलोअप की जरूरत है।

अमर उजाला– 03.09.2018